>

Title: Need to revive the vaccine manufacturing factories to make successful vaccination programme in the country

श्री जगदम्बिका पाल (डुमरियागंज): महोदया, देश के नवजात शिशुओं को बैक्टीरिया से या पल्स पोलियो के लिए या जापानी इनसिफेलाइटिस इस तरह के टीकाकरण का अभियान चलता है। पिछले 100 वर्षों से भारत सरकार की जो तीन फैक्ट्रियां थीं, सीआरआई कसौली, पीआईआई कुन्नूर और बीसीजी गिंडी, ये तीनों देश के लगभग 50 प्रतिशत टीकाकरण के अभियान में उस टीके को सप्लाई करती थीं, लेकिन वर्ष 2008 में बंद हो जाने के कारण आज इन टीकों के दाम, नवजात शिशुओं के टीके या जापानी इनसिफेलाइटिस के टीकों के दाम, प्राइवेट लोगों से लेने पर या बाहर से मंगाने पर इनके दो गुणे दाम हो गये हैं। इसके कारण आज तमाम गरीब लोग इस तरह की दवाओं से प्रभावित हो रहे हैं और उनका टीकाकरण अभियान प्रभावित हो रहा है। यह अत्यंत महत्वपूर्ण लोक महत्व का मामला है, यह सुनिश्चित प्रश्न है। हम नेशनल रूरल हैल्थ मिशन में, राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य कार्यक्रम में देश के सभी बच्चों के या नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य के लिए टीकाकरण के अभियान को चलाते हैं। मिस्टर जावेद, पूर्व सचिव स्वास्थ्य की अध्यक्षता में एक कमेटी बनी थी और उस कमेटी ने सिफारिश की है कि इन फैक्ट्रियों के बंद होने से टीकों के दाम दो गुणे हो गये हैं।

महोदया, मैं आपके माध्यम से इन फैक्ट्रियों को फिर से चलाने की मांग करता हूं। जिससे हम पूरे देश के लोगों के टीकाकरण अभियान को सफलतापूर्वक संचालित कर सकें। धन्यवाद।